पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

रणदीप हुड्डा ने ठुकरा दी थी यह हिट फिल्म

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 43 | अंक : 49 | मंगलवार, 29 अप्रैल 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पानी की हर बूंद का देना होगा 'हिसाब'

पानी की बर्बादी रोकना लक्ष्य

उल्हासनगर महानगरपालिका का मीटर लगाने का अभियान शुरू

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका ने शहर की जलापूर्ति व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव लाते हुए अब नागरिकों की पाइपलाइनों पर पानी के मीटर लगाने का महत्वाकांक्षी अभियान शुरू किया है। आयुक्त मनीषा आव्हाले ने बताया कि 'सही पानी, सही कीमत, सही वितरण' के आदर्श वाक्य के साथ शुरू की गई इस पहल से यह सुनिश्चित होगा कि हर बूंद का मूल्य निर्धारित हो और अनियमितताओं पर अंकुश लगे।

उल्हासनगर महानगरपालिका ने उल्हासनगर शहर के नागरिकों को न्याय और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। शहर में घरेलू पाइप लाइनों पर पानी के मीटर लगाने का काम जलापूर्ति विभाग की देखरेख में शुरू हो गया है। शुरुआती चरण में एक भवन में मीटर लगाने का काम शुरू हो गया है और मनपा के अधिकारी व कर्मचारी इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, लगभग 1.5 लाख संपत्तियों पर पानी का मीटर लगाने का लक्ष्य है तथा आवश्यकतानुसार यह संख्या बढ़ने की संभावना है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

- जलापूर्ति विभाग की देखरेख में काम चल रहा है
- 1.5 लाख संपत्तियों पर मीटर लगाने का लक्ष्य
- मुख्य टैंक से ही प्रत्येक कनेक्शन पर मीटर जोड़े जाएंगे
- पुरानी सीधी लाइन काटी जाएगी
- अपव्यय रोकने और समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं
- नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है।

नागरिकों से इस पहल में सहयोग की अपील

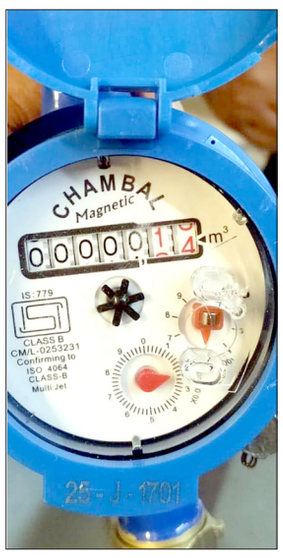

हमने शहर में प्रत्येक नागरिक को उचित और समान जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल मीटर लगाने का अभियान चलाया है। हमारा मुख्य उद्देश्य पानी की बर्बादी रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि हर बूंद का उचित उपयोग हो। नागरिकों से इस पहल में सहयोग की अपेक्षा है।

– **मनीषा अव्हाले**, आयुक्त, उल्हासनगर मनपा

मीटर कैसे लगाया जाएगा?

प्रत्येक भवन के मुख्य जल टैंक से प्रत्येक गृहस्वामी तक जाने वाले कनेक्शन पर एक जल मीटर स्थापित किया जाएगा। जिन गृहस्वामियों को सीधे पाइपलाइन के माध्यम से पानी मिल रहा है, उनकी पुरानी सीधी लाइनें काट दी जाएंगी तथा टैंक से ही नए मीटर के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाएगी। इसलिए, सभी को एक ही प्रणाली के तहत नियंत्रित और मीटरयुक्त जल आपूर्ति प्राप्त होगी।

मीटर लगाने का उद्देश्य

शहर के प्रत्येक नागरिक को उचित मात्रा में और उचित तरीके से पानी उपलब्ध होना चाहिए। जल वितरण में अनियमितताओं और भेदभाव को समाप्त करना। जल की बर्बादी रोकें और भविष्य में पानी की कमी को नियंत्रित करें।

अंबरनाथ नपा का भ्रष्ट कारोबार आया सामने

- अंबरनाथ नगर परिषद पर वन विभाग ने अपराध दर्ज कराया
- वन विभाग की जगह पर अवैध रास्ते का काम शुरू
- जावसाई से ठाकुरपाड़ा तक रास्ता विवादों में

▸▸ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में वन विभाग की भूमि पर नगर परिषद ने रास्ता बनाया. वन विभाग ने अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में नपा प्रशासन के खिलाफ अपराध दर्ज किया है. रास्ते के काम के लिए इस्तेमाल किया जा रहा जेसीबी को वन विभाग ने अपने कब्जे में लिया. लेकिन तीन लोगों ने ये जेसीबी लेकर चले गए. उनके खिलाफ भी पुलिस में अपराध दर्ज किया गया है. नपा के अभियंता की लापरवाही के कारण नपा पर अपराध दर्ज हुआ है. ऐसा समझा जा रहा है. इस अपराध के बाद अंबरनाथ नगर परिषद का भ्रष्ट कारोबार चौहाटे पर आ गया है. अंबरनाथ जावसाई ठाकुरवाड़ी परिसर से कल्याण तालुका को जाने वाला कच्चा रास्ता बनाकर कंक्रीटीकरण करने के लिए 1 करोड़ 76 लाख रुपयों का काम साहित्यरत्न लोकशाहीर अन्नाभाऊ साठे नागरी योजना के अनुसार मंजूर किया गया था. ये काम सनबट मल्टी वेंचर्स प्रा. लि. कंपनी को दिया गया था. ये पूरा काम वन विभाग की जगह पर शुरू किया गया. सन बट कंपनी ने ये काम शुरू नहीं किया तो पालिका के अभियंता की मिलीभगत से ये काम कुछ लोगों ने शुरू कर दिया था. वन विभाग ने अंबरनाथ नगर परिषद, सन बट कंपनी और जगह पर जेसीबी लेकर काम कर रहे तीन लोगों के खिलाफ अंबरनाथ पुलिस में भारतीय वन अधिनियम महाराष्ट्र वन नियमावली, वन संवर्धन अधिनियम के अनुसार अपराध दर्ज किया है. सन बट कंपनी ने मुख्याधिकारी को एक पत्र देकर कहा है कि उन्होंने ये काम शुरू नहीं किया है, जिसने भी ये कार्य शुरू किया है, उन पर कार्रवाई की जाए.

पहलगाम हमले के निषेध में कांग्रेस का

अंबरनाथ बंद सफल

▸▸ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. कश्मीर पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निष्पापों की जान लेने के निषेध में सोमवार को अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस द्वारा शहर बंद सफल रहा. दुकानें, ऑटो रिक्शा, होटल आदि बंद रहे. दोपहर में अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एड. कृष्णा रसाल पाटिल, रोहित प्रजापति, गोपाल रॉय, गनी पीरजादे, शंकर गायकवाड़, महिला अध्यक्षा सायरा सय्यद, अनिता प्रजापति व अन्य ने शहर पश्चिम स्टेशन चौक, विमको नाका शहर पूर्व में शिवाजी चौक पर खड़े होकर पाकिस्तान मुर्दाबाद, हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए. शहर पश्चिम में बंद का असर अच्छा रहा. पूर्व में कुछ दुकानें चालू देखी गई. रिक्शा यूनियन द्वारा भी निषेध का बोर्ड लगाया गया था. रिक्शा भी सुबह से बंद रही. कृष्णा पाटिल ने, व्यापारियों, रिक्शा यूनियन द्वारा बंद को सफल करने पर उनका आभार व्यक्त किया है. सुबह में शहर में होटल, चाय, वड़ा पाव की टपरी, हाथगाड़ियां बंद होने के कारण लोगों को चाय, बीड़ी, सिगरेट तक नहीं मिली. कृष्णा पाटिल ने आतंकवादियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है.

महाराष्ट्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार उल्हासनगर में पहली बार

स्ट्रीट वेंडर्स के चुनाव 15 मई को

- 8 उम्मीदवार चुनाव मैदान में जिनमें से 3 महिला आरक्षित

उल्हासनगर. महाराष्ट्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार पहली बार उल्हासनगर महानगरपालिका के राष्ट्रीय शहरी आजीविका अभियान द्वारा स्ट्रीट वेंडर्स के चुनाव की घोषणा की गई है। इस चुनाव में 8 उम्मीदवार हैं, जिनमें से 3 महिला आरक्षित होंगी।

शहर में 3113 पंजीकृत पथ विक्रेता हैं और शहर पथ विक्रेता समिति की अध्यक्ष मनपा प्रशासक एवं आयुक्त मनीषा आव्हाले हैं। राष्ट्रीय शहरी आजीविका अभियान के प्रबंधक संजीवनी अमृतसागर, दिनेश सावरकर ने बताया कि निर्वाचन अधिकारी धनंजय थोरात की देखरेख और उपायुक्त अनंत जवादवार की मौजूदगी में चुनाव प्रक्रिया सोमवार 28 अप्रैल से शुरू होगी। मतदान 15 मई को होगा और मतगणना एवं परिणाम 16 मई को घोषित किये जायेंगे।

इस चुनाव के लिए नामांकन पत्रों का वितरण सोमवार, 28 अप्रैल और मंगलवार, 29 अप्रैल को होगा। सरकारी अवकाशों को छोड़कर नामांकन पत्र 5 मई तक स्वीकार किए जाएंगे।

प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच 6 मई को की जाएगी तथा वैध उम्मीदवारों की सूची 7 मई को प्रकाशित की जाएगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 8 मई है तथा नाम वापसी के बाद अंतिम सूची उसी तिथि को प्रकाशित की जाएगी। मतदान प्रक्रिया 15 मई को होगी तथा मतों की गिनती एवं परिणाम 16 मई को घोषित किये जायेंगे।

स्ट्रीट वेंडर समिति में होंगे 20 सदस्य

शहर की स्ट्रीट वेंडर समिति में 20 सदस्य होंगे, जिनमें 12 सरकारी अधिकारी और 8 स्ट्रीट वेंडर शामिल होंगे, जिनका चुनाव होना है। ये सदस्य समिति में रेहड़ी-पटरी वालों और हॉकरों के मुद्दे उठाने के लिए जिम्मेदार होंगे।

इस चुनाव में 8 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, जिनके नाम एससी-1, एसटी-1, ओबीसी-1, दिव्यांग-1, अल्पसंख्यक-1 और ओबीसी-3 हैं, जिनमें से 3 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं।

पालघर में फिर भूकंप के झटके

पालघर. पालघर में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिससे नागरिकों में भय का माहौल पैदा हो गया है। पालघर के डहाणू तलासरी इलाके में रविवार शाम करीब 7:23 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। हालांकि इस भूकंप के कारण किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन नागरिकों में दहशत का माहौल है।

रविवार रात को डहाणू और आसपास के क्षेत्र में अचानक तेज भूकंप आया। कुछ सेकंड के लिए धरती हिली, जिससे नागरिकों में दहशत फैल गई और वे अपने घरों से बाहर निकल आए।

पालघर और आसपास के इलाके में पिछले कई महीनों से भूकंप के झटके आ रहे हैं। 2018 से पालघर और आसपास के क्षेत्र में लगातार छोटे और बड़े भूकंप के झटके आ रहे हैं।

खुद को पुलिसकर्मी बताकर बुजुर्ग से ठगी

- उल्हासनगर पुलिस की कार्रवाई में दो गिरफ्तार

उल्हासनगर. उल्हासनगर पुलिस ने एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो पुलिस अधिकारी बनकर पैदल जा रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति से पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, तीसरा आरोपी अभी भी फरार है और उसकी तलाश जारी है। इस घटना से शहर में हड़कंप मच गया है।

शहर में सड़क पर चल रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति को पुलिस अधिकारी बताकर ठगने का मामला सामने आया है। रंजीत ठाकुर (उम्र 53, निवासी कमला नेहरू नगर, धोबीघाट) अपने काम पर जा रहे थे, तभी तीन लोगों ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने खुद को पुलिसकर्मी बताया और उन पर अवैध शराब रखने का झूठा आरोप लगाते हुए उन्हें जबरन रिक्शा में डाल लिया।

रिक्शा में बिठाने के बाद इन नकली पुलिस वालों ने रंजीत ठाकुर की जेब से 3,500 रुपये नकद छीन लिए और उसे रिक्शा से कुछ दूर ले जाकर उतार दिया. इसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए। इस घटना से बुजुर्ग व्यक्ति घबरा गया और तुरंत उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत दर्ज होते ही पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु तम्हाणे और अपराध शाखा निरीक्षक चंद्रहार गोडसे मौके पर पहुंचे। पुलिस उपनिरीक्षक पी.के. नवले की टीम ने तुरंत जांच शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुछ ही घंटों के भीतर शरद महाले और प्रफुल्ल चाबुकसावर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से धोखाधड़ी में प्रयुक्त रिक्शा और 2,000 रुपये नकद जब्त कर लिए गए हैं। जांच में यह भी पता चला कि शरद महाले के खिलाफ विट्ठलवाड़ी, हिललाइन और मनपाड़ा पुलिस थानों में अपराध दर्ज हैं।

देह व्यापार चलाने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण पश्चिम के बाजारपेठ पुलिस स्टेशन की सीमा में एक होटल में तीन लोग वेश्यावृत्ति का धंधा चला रहे थे, इसकी सूचना मिलने पर ठाणे में अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम विभाग ने कार्रवाई करते हुए होटल पर छापा मारा और चार युवतियों और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया। इस मामले का मुख्य संदिग्ध फरार था। अनैतिक मानव तस्करी अपराध शाखा की टीम ने अम्बिवली इलाके से व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस व्यक्ति का नाम विनोद फुन्नन मौर्य है। कल्याण के एक होटल में दो महिलाओं के साथ वेश्यावृत्ति का धंधा चलाने वाला विनोद मौर्य पिछले एक महीने से फरार था। अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम विभाग की टीम उसकी तलाश में थी। इस मामले में पुलिस पहले ही कल्याण पूर्व के वालधुनी क्षेत्र की निवासी सुनीता चंद्रकांत गोरे और उल्हानगर के पंजाबी कॉलोनी क्षेत्र की निवासी सरला आकाश भालेराव को देह व्यापार के धंधे के आरोप में गिरफ्तार कर चुकी है। इस अपराध के बाद विनोद मौर्य फरार हो गया। वह इस मामले का मुख्य मास्टरमाइंड था।

अनैतिक तस्करी निरोधक विभाग के अपराध दस्ते को गोपनीय सूचना मिली कि विनोद अंबिवली के पास हनुमान मंदिर के पास पंडित चॉल में आने वाला है। वरिष्ठ निरीक्षक चेतना चौधरी के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक स्नेहल शिंदे, सहायक उपनिरीक्षक श्रद्धा कदम, कांस्टेबल के.बी. पाटिल और उदय घाडगे ने अंबिवली क्षेत्र में जाल बिछाया। मौर्य को गिरफ्तार कर लिया गया।

पिछले महीने अनैतिक तस्करी रोकथाम विभाग की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चेतना चौधरी को गोपनीय सूचना मिली थी कि सुनीता, सरला और विनोद नाम के व्यक्ति यौन संबंध के लिए खूबसूरत लड़कियां उपलब्ध कराते हैं और बदले में ग्राहकों से 15,000 रुपये वसूलते हैं। यह वेश्यावृत्ति का धंधा कल्याण, उल्हासनगर और ठाणे इलाकों में चलाया जा रहा है।

इस सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चौधरी को मामले के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई। मार्च में कल्याण के बाजार क्षेत्र में एक पारिवारिक होटल पर छापा मारकर वेश्यावृत्ति रैकेट का पर्दाफाश किया गया था। इस मामले में टीम की कार्रवाई से पता चला कि वे ग्राहक सुनीता और सरला से यौन संबंध बनाने के लिए 15,000 रुपये वसूल रहे थे। इस मामले में टीम ने फर्जी ग्राहक बनाए थे। वह तीनों वेश्याओं के संपर्क में था।

बदलापुर से लोकल ट्रेनों में ले जाया जा रहा गोमांस

- अलर्ट रेलयात्रियों के चलते 3 गिरफ्तार
- 18 किलो गोमांस जब्त

बदलापुर. बदलापुर से गोमांस खरीदकर लोकल ट्रेन से ले जाए जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। रेलवे पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गौमांस को बदलापुर से सुबह 10:26 बजे एक लोकल ट्रेन द्वारा ले जाया जा रहा था। उसी समय, यात्रियों को तेज गंध महसूस हुई और उन्होंने जांच की। उस समय यह बात स्पष्ट हो गयी। रेलवे पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों लोग मुंबई के निवासी हैं। उनके पास से 18 किलो गौमांस जब्त किया गया है।

कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर लक्ष्मण चव्हाण द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मनोज गौंड अपने दोस्तों के साथ मुंबई लोकल ट्रेन में यात्रा कर रहा था, जो सुबह 10:26 बजे बदलापुर से रवाना हुई थी। उस समय बदलापुर लोकल ट्रेन के रवाना होने के बाद कुछ दूर जाते ही उसमें से तेज गंध आने लगी। उसने अपने सामने बैठे यात्रियों से पूछा कि बैग में क्या है। उस समय उन थैलियों में मांस पाया गया था। यह संदेह होने पर कि यह गौमांस है, गौंड और उसके दोस्तों ने तीनों को कल्याण रेलवे स्टेशन पर उतार दिया। उन्हें कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में पेश किया गया। आगे जांच करने पर इन थैलियों में गौमांस पाया गया।

जब पुलिस ने उनसे आगे पूछताछ की तो तीनों ने बताया कि उन्होंने बदलापुर गांव से गोमांस खरीदा था। रेलवे पुलिस इंस्पेक्टर लक्ष्मण चव्हाण ने बताया कि आरोपियों के नाम जमाल शेख, रफीक शेख और वाजिद शेख हैं। चव्हाण ने बताया कि बदलापुर से खरीदा गया गोमांस मुंब्रा ले जाया जा रहा है। तीनों आरोपी मुंब्रा के निवासी हैं। इस संबंध में लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। चव्हाण ने यह भी बताया कि इस गोमांस के नमूने ले लिए गए हैं तथा अन्य गोमांस को नष्ट कर दिया गया है। आरोपी को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

बदलापुर में हो रही गोमांस की बिक्री?

रेलवे पुलिस इंस्पेक्टर लक्ष्मण चव्हाण द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस मामले में तीनों आरोपियों द्वारा दी गई जानकारी चौंकाने वाली है। आरोपियों ने लोहमार्ग पुलिस के समक्ष कबूल किया है कि उन्होंने गोमांस को बदलापुर गांव से उठाया था। इसलिए सवाल उठता है कि क्या बदलापुर में गौमांस बेचा जाता है? इस मामले में आगे की जांच चल रही है। लक्ष्मण चव्हाण ने बताया कि बिक्री स्थल पर भी जांच की जाएगी। इस घटना के बाद बदलापुर में हड़कंप मच गया है।

नदी संरक्षण के लिए 'सीवेज रोको' आंदोलन

- उल्हास नदी बचाव कार्य समिति की चेतावनी

कल्याण. प्रशासन उल्हास नदी सहित प्राकृतिक नालों में सीवेज के अनियंत्रित निर्वहन को रोकने में विफल हो रहा है। इस संबंध में लगातार मांग के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इसलिए उल्हास नदी संरक्षण कार्य समिति ने अब आंदोलन का आह्वान किया है। इस आंदोलन के माध्यम से प्रदूषण के प्रति आंखें मूंद लेने वाले सरकारी कार्यालयों, राजनेताओं, कारखानों, होटलों और रिसॉर्ट्स की सीवेज नालियों को अवरुद्ध करके रोका जाएगा।

कारखानों, शहर, गांवों और प्रतिष्ठानों से निकलने वाला सीवेज उल्हास नदी सहित कई नदियों में खुलेआम बहाया जा रहा है। पिछले कई वर्षों में नदी प्रदूषण का मुद्दा और अधिक गंभीर हो गया है। वर्तमान में उल्हास नदी में जलकुंभी समस्या का समाधान किया जा रहा है। इसके लिए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से मशीनें खरीदी गई हैं। पिछले कई वर्षों से उल्हास नदी बचाव कार्य समिति, स्थानीय नागरिकों, कार्यकर्ताओं, पर्यावरणविदों और सामाजिक संगठनों द्वारा बार-बार ज्ञापन, शिकायतें और जल परीक्षण रिपोर्ट देने के बावजूद सरकार या जनप्रतिनिधियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। परिणाम स्वरूप, प्रदूषण बढ़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में उल्हास नदी संरक्षण कार्य समिति ने अब 'सीवेज रोको' आंदोलन की घोषणा की है।

अब उल्हास नदी बचाव कार्य समिति उल्हास नदी के प्रदूषण के लिए जिम्मेदार महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल, राजनीतिक नेताओं के कार्यालय, कारखाने, होटल-रिसॉर्ट, आवासीय परिसर, नगर पालिका और ग्राम पंचायतों के सीवेज के प्रवाह को रोकेगी और नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन करेगी, ऐसी जानकारी समिति के शशिकांत दयामा ने दी।

स्वच्छता अभियान की मांग

उल्हास नदी संरक्षण कार्य समिति ने इस विरोध प्रदर्शन की घोषणा करते हुए विभिन्न मांगें रखी हैं। उल्हास नदी में सीवेज का प्रवाह तुरंत रोका जाना चाहिए और सीवेज उपचार संयंत्रों को चालू किया जाना चाहिए। वर्तमान प्रदूषण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। नदी के आसपास के क्षेत्र में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान चलाया जाना चाहिए। उल्हास नदी संरक्षण कार्य समिति ने भी मांग की है कि जनभागीदारी के जरिए नदी को बचाने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया जाए।

अंबरनाथ छाया अस्पताल में तज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति

▸▸ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के बी.जी. छाया उप जिला अस्पताल में वैद्यकीय सेवा के लिए डॉक्टरों की कमी के बारे में पूर्व नगरसेवक उमर इंजीनियर ने आवाज उठाया था. उनकी इन कोशिशों को देखते हुए युवा सेना के शहर अधिकारी राहुल सोमेश्वर और शिवसैनिक विकास सोमेश्वर ने सक्रिय सहकार्य किया. उनके एकत्रित प्रयासों से बी.जी. छाया उप जिला अस्पताल में त्वचा, रक्तदाब, मधुमेह व अन्य रोगों की जांच के लिए और उपचार के लिए वैद्यकीय पथक की सुविधा प्राप्त हो गई है. हर सोमवार को त्वचा रोग तज्ञ मंगलवार को कान-नाक, गले के तक्ष, बुधवार और शुक्रवार को बाल रोग तज्ञ और गुरुवार को बाह्य रुग्ण विभाग ऐसी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी. ऐसी जानकारी विकास सोमेश्वर, उमर इंजीनियर ने दी है. विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के मार्गदर्शन में एवं वैद्यकीय महाविद्यालय के अधीक्षक वर्मा ने सहकार्य किया है. ऐसी जानकारी राहुल और विकास सोमेश्वर ने दी है. विदित हो कि बी.जी. छाया उप जिला अस्पताल में रोजाना सैकड़ों लोग उपचार के लिए आते हैं. डॉक्टरों की नियुक्ति से लोगों को बड़ा फायदा होगा.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

दिल्ली में अपराध बेलगाम

देश की राजधानी होने के नाते उम्मीद होती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की तस्वीर बाकी जगहों के मुकाबले बेहतर होगी और यहां अपराध की दर कम होगी। लेकिन दिल्ली में आज मामूली से लेकर जघन्य अपराधों तक की जैसी तस्वीर दिख रही है, उससे स्पष्ट है कि कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर यहां बहुस्तरीय कमियां हैं। विचित्र है कि अपराधों की दर पर सवाल उठने पर दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच जिम्मेदारियों को एक दूसरे पर थोपने की कोशिश होने लगती है और इस तरह समस्या पर काबू पाने को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। जबकि किसी भी समस्या के हल के लिए सबसे पहले उसकी हकीकत और उसमें अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करना प्राथमिक जिम्मेदारी है।

अब केंद्र सरकार ने यह माना है कि दिल्ली में अपराध की स्थिति चिंताजनक है और इससे निपटने के लिए अदालती सुनवाई में तेजी लाने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को इस स्थिति से अवगत कराया कि दिल्ली में पंचानबे खूंखार सक्रिय गिरोहों की पहचान की गई है। पिछले दस वर्षों में पांच हजार दो सौ से ज्यादा अपराध दर्ज किए गए हैं। इनमें हत्या, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी और जबरन वसूली जैसे गंभीर अपराध भी शामिल हैं। सवाल है कि अगर केंद्र सरकार को समस्या और उसके स्वरूप के बारे में पूरी जानकारी है, तो उस पर काबू पाने के लिए उपाय निकालने की जिम्मेदारी किसकी है। दिल्ली की कानून व्यवस्था और पुलिस महकमे की जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास है। ऐसे में जवाबदेही से बचने या आरोप-प्रत्यारोप के बजाय जरूरत इस बात है कि अपराधियों के बीच खौफ पैदा करने के लिए पुलिस प्रशासन को सक्रिय और चौकस रखना सुनिश्चित करने के समांतर ही शासन के अन्य मोर्चों पर ठोस सुधार किए जाएं, ताकि समाज में आपराधिक प्रवृत्तियों पर लगाम लगाई जा सके। इसमें दर्ज अपराधों की अदालत में सुनवाई में तेजी एक जरूरी पहलू है। मुकदमों के अत्यधिक बोझ की वजह से ज्यादातर मामलों की सुनवाई में देरी होती है। जाहिर है, कानून और व्यवस्था के मोर्चे पर पूरी जवाबदेही के साथ-साथ इस समस्या के लिए समर्पित न्यायालय परिसरों की जरूरत है, ताकि सुरक्षा उपायों पर बेहतर नियंत्रण और त्वरित सुनवाई में मदद मिल सके।

निर्णायक प्रतिकार का समय, देना होगा करारा जवाब

मैं पूरी दुनिया से कहता हूं, भारत हर एक आतंकवादी और उनके सरपरस्तों की पहचान करेगा, उन्हें खोजेगा और दंड देगा। उनका पीछा दुनिया के आखिरी कोने तक किया जाएगा...।' यह हुंकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अप्रैल को बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान भरी। जब प्रधानमंत्री मोदी बिहार की भूमि से पाकिस्तान का नाम लिए बिना उसे चेतावनी दे रहे थे, उसी दौरान राजधानी दिल्ली में विदेश मंत्रालय अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली और कतर सहित 20 देशों के राजनयिकों को पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तानी संलिप्तता से अवगत करा रहा था।

निःसंदेह भारत हर पैमाने पर पाकिस्तान से पहले की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में है। आर्थिक रूप से जर्जर और आतंकवादियों का पनाहगार पाकिस्तान शायद ही अमेरिका की सहानुभूति प्राप्त कर सके। उसका एकमात्र सहयोगी और सदाबहार दोस्त चीन भी अमेरिका से टैरिफ-वार के चलते भारत से निकटता बढ़ा रहा है। ऐसे में आसार कम ही दिखते हैं कि टकराव की स्थिति में वह पाकिस्तान के पीछे खड़ा होगा।

भारत का अगला कदम क्या होगा, यह भविष्य के गर्भ में है। मूल प्रश्न यह है कि कुछ वर्षों की अपेक्षाकृत शांति के बाद कश्मीर में इतना भयावह आतंकी हमला क्यों हुआ कि पूरा देश गुस्से और सकते में आ गया? अनुच्छेद 370 और 35ए हटने के बाद दिखी शांति से यही भ्रम हुआ कि अभी सब ठीक है, तो आगे भी ऐसा ही रहेगा यानी घाटी में आतंक नहीं लौटेगा।

यह मानस इसलिए भी बना, क्योंकि हम जिहादी हमलों को तात्कालिक घटनाओं की तरह देखकर भूल जाते हैं कि इस आतंकवाद का मूलाधार सभ्यतागत द्वंद्व के साथ वह विषाक्त चिंतन है, जिसमें स्वयं को छोड़ शेष सभी को झूठा परिभाषित किया जाता है। इसके अनुचरों का मजहबी कर्तव्य होता है कि वे अपनी जान देकर या दूसरों की लेकर 'काफिरों' को उनकी शरीया निर्धारित नियति तक पहुंचाएं।

आतंकवाद में दो कारक सबसे महत्वपूर्ण हैं। पहली विचारधारा, जिसमें दूसरे मजहब के अनुयायियों को मौत के घाट उतारने की प्रेरणा मिलती हो। दूसरा, उसे क्रियान्वित करने वाली आधारभूत संरचना। अगस्त 2019 के बाद सुरक्षा बलों ने घाटी में आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को तो ध्वस्त कर दिया, परंतु जिहादियों को प्रेरित करने वाला 'काफिर-कुफ्र' चिंतन अब भी असंख्य रक्तबीज पैदा कर रहा है।

इस्लाम के नाम पर जिन पांच गाजियों ने निरपराधों को मौत के घाट उतारा, उनमें से दो स्थानीय कश्मीरी हैं। खुफिया विभाग के अनुसार जिस क्षेत्र में यह आतंकी हमला हुआ वह निर्धारित समय (जून) से पहले और सुरक्षा बलों को सूचित किए बिना 20 अप्रैल को ही खोल दिया गया था। स्पष्ट है कि इस हमले में स्थानीय लोग भी शामिल हैं। ऐसे में आतंकवाद के खिलाफ सतत लड़ाई में विराम की कोई गुंजाइश बेमानी है।

क्या पहलगाम में आतंकियों का उद्देश्य केवल दहशत फैलाना था? यदि ऐसा होता तो वे पहले की तरह ही सुरक्षा बलों या प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते, परंतु जिहादियों ने पर्यटकों को उनकी हिंदू पहचान सुनिश्चित करके गोली मारी। क्या जिहादी उसी चिंतन से प्रेरित नहीं, जिसका जिक्र हमले से कुछ दिन पहले पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने अपने एक जहरीले भाषण में किया था।

उसमें उन्होंने हिंदू-मुस्लिम विभाजन और द्विराष्ट्रवाद का राग छेड़ा था। कश्मीर में जो कुछ हुआ, वह इजरायल पर सात अक्टूबर 2023 के नृशंस आतंकी हमले की ही याद दिलाता है। हमले के दायरे को देखा जाए तो पहलगाम का हमला इजरायल की घटना से छोटा है, लेकिन दोनों में आतंकियों को प्रेरित करने वाली मानसिकता एक ही है। तब इजरायल ने त्वरित प्रतिकार करते हुए हमास एवं हिजबुल्ला जैसे कट्टर इस्लामिक आतंकी संगठनों के विरुद्ध निर्णायक युद्ध छेड़ दिया। क्या भारत भी ऐसा प्रतिकार कर सकता है? प्रत्यक्ष युद्धों के साथ पाकिस्तान ने प्रत्यक्ष-परोक्ष आतंकवादी हमलों से भारत को कई घाव दिए हैं। 2016 और 2019 की सर्जिकल स्ट्राइक को छोड़कर भारत ने कभी जिहादी हमलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई नहीं की। इसका कारण भारतीय राजनीति में मुस्लिम वोटबैंक की वह लालसा है, जिसके चलते स्वयंभू सेक्युलरों ने कभी जिहादियों को 'संरक्षण' दिया, तो कभी पाकिस्तान को 'क्लीन चिट'।

जितना अधिक हम प्रभु के और अपनी आत्मा के नजदीक आते हैं, उतना ही अधिक हम दूसरों की तकलीफों के प्रति करुणा से भर जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दहशतगर्दी से पल्ला झाड़ने का पाखंड

जब भी भारत में कोई आतंकी हमला होता है, तो पाकिस्तान हमेशा उसमें अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। यहां तक कि मुंबई बम धमाके जैसे जिन बड़े मामलों में उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, उनमें भी वह अपने नागरिकों के शामिल होने से इनकार करता रहा है। वही रुख उसने पहलगाम हमले पर अपना रखा है। हालांकि एक साक्षात्कार में वहां के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कबूल किया है कि पाकिस्तान में दहशतगर्दी को पोसने में पश्चिमी देशों का हाथ रहा है। वही इन संगठनों का वित्तपोषण करते रहे हैं। ये आतंकी संगठन दशकों से पश्चिम के लिए 'गंदा काम' कर रहे हैं। पाकिस्तान से यह गलती हुई कि उसने इसे रोका नहीं, जिसका खमियाजा उसे भुगतना पड़ा है।

पहली नजर में यह बयान आसिफ की साफगोई लग सकती है, मगर फिर वही पुराना सवाल कि आखिर पाकिस्तान ने आतंकवाद के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल क्यों होने दिया और लगातार होने दे रहा है। अब जब भारत ने उस पर शिकंजा कसना शुरू किया है, तो अपने यहां पल रहे दहशतगर्दों को पश्चिम की पैदावार बता कर वह पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है। मगर उसी बातचीत में आसिफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा का वजूद

ही नहीं है, फिर उसकी शाखा कहां से पैदा हो सकती है।

आतंकी संगठनों के पाकिस्तान में पनपने के पीछे आसिफ ने पहले की सरकारों को दोषी ठहराया। मगर सवाल है कि उनकी सरकार ने इन संगठनों को नेस्तनाबूद करने की कितनी कोशिश की। वे वहां के रक्षामंत्री हैं और उन्हें इस बात से अनजान नहीं माना जा सकता कि उनकी सेना और खुफिया एजंसी भारत के खिलाफ छद्म युद्ध में इन्हीं आतंकियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करती है। क्या रक्षामंत्री के नाते उन्होंने कभी सेना पर ऐसा न करने का दबाव बनाया। क्या वे उन सबूतों को मिटा सकते हैं, जिनमें सीमा पर आतंकी प्रशिक्षण केंद्र चलाने के तथ्य मौजूद हैं।

दुनिया के अनेक देश मानते हैं कि पाकिस्तान दहशतगर्दों की सबसे बड़ी पनाहगाह बन चुका है। वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान में आतंकवाद की दर तेजी से बढ़ी है। क्या आसिफ को इस बात की जानकारी नहीं कि कंधार कांड से जुड़े आतंकी उनकी ही सरजमीन पर रहते हैं और खुलेआम घूमते हैं? उनको पाकिस्तानी सेना की कड़ी सुरक्षा मिली हुई है। केवल यह कह देने से कि लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तान में वजूद नहीं है, यह बात सच नहीं हो जाती।

यह पहली बार नहीं है, जब पाकिस्तान दहशतगर्दी के मामले में अपने को पाक-साफ साबित करने की कोशिश कर रहा है। मगर उसकी असलियत किसी से छिपी नहीं है। वर्षों से उसकी अर्थव्यवस्था दूसरे देशों की इमदाद से चल रही है। फिलहाल उसने चीन का दामन पकड़ रखा है और उसी के सहारे उसकी दाल-रोटी चल पा रही है। पर वास्तव में वह दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है। वहां इस कदर गुरबत है कि लोग आटे-दाल के लिए लूट-खसोट पर उतरते देखे जाते हैं। मगर ऐसे हालात में भी तुर्रा यह कि अपने यहां जड़ें जमाए आतंकवाद को खत्म कर तरक्की के रास्ते तलाशने के बजाय वह भारत से दो-दो हाथ करने का दम भरता है। इस रवैए के साथ पाकिस्तान और बदहाली की ओर ही बढ़ेगा।

15 अमीर महिलाओं को एक साथ संभालता है ये शख्स

जापान के 31 साल के ताकुया इकोमा ऑनलाइन मशहूर हो गए हैं क्योंकि वह पैसे के लिए खुद को

जरा हट के

दूसरों के पास गिरवी रख देते हैं. दिलचस्प बात यह है कि वह 15 अमीर महिलाओं को यह सर्विस देते भी हैं. इसकी बदौलत शख्स ने एक महीने में लगभग 1 मिलियन येन (लगभग ₹6 लाख) भी कमाए. हालांकि लोग सोचते हैं कि यह एक आसान जीवन है, लेकिन उनका कहना है कि कई महिलाओं को संभालना थकाऊ होता है. वह उन महिलाओं से मिलने से पहले मेकअप और अच्छे कपड़े पहनने जैसी तैयारियां भी करते हैं. अब, आप सोच रहे होंगे कि वह इन अमीर महिला क्लाइंट के लिए क्या करते हैं. खैर, वह उनके साथ खाते-पीते हैं, बातें करते हैं, भावनात्मक समर्थन देते हैं और सफाई और घर के कामों में मदद करते हैं. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने इकोमा के हवाले से कहा, "हर कोई सोचता है कि

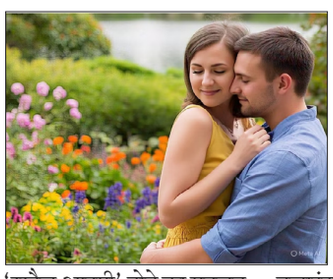

'रखैल आदमी' होने का मतलब है पैसा और खाली समय, लेकिन एक साथ 15 अमीर महिलाओं को संभालना मजेदार हो सकता है, फिर भी यह बेहद थकाऊ है."

सिर्फ तीन घंटे के घर के काम के लिए, उन्होंने 160,000 येन (₹95,000) कमाए. 2019 में, उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल आठ दिनों के काम से 1 मिलियन येन प्रति माह कमाए और 15 अमीर क्लाइंट्स को सर्विस दी. एससीएमपी ने एक युवा महिला के हवाले से कहा कि उसने ताकुया इकोमा को भावनात्मक समर्थन के लिए पेमेंट किया, बिना किसी गंभीर रिश्ते के. उसे डेटिंग थकाऊ लगती है, इसलिए पैसा खर्च करना आसान लगता है.

एक बार, एक अमीर महिला ने उन्हें एक्सक्लूसिव सर्विस के लिए प्रति माह 1 मिलियन येन की पेशकश की. हालांकि, उन्होंने मना कर दिया, क्योंकि वह सभी के लिए ओपन रहना चाहते थे. जैसे-जैसे अधिक महिलाएं उनका समय चाहने लगीं, इकोमा ने सेलेक्शन करना शुरू कर दिया. अब, वह अच्छे दिखने वाले क्लाइंट्स को ही प्रायोरिटी देते हैं.

पुदीना पराठा

सुबह की भागदौड़ में अक्सर हम ऐसे नाश्ते की तलाश में रहते हैं जो झटपट बन जाए और पेट भी भर दे। आज हम आपके लिए एक ऐसी ही लाजवाब रेसिपी लेकर आए हैं- पुदीना पराठा। यह न केवल मिनटों में तैयार हो जाता है, बल्कि इसकी हर बाइट में आपको जबरदस्त स्वाद भी मिलेगा। पुदीने की खुशबू और पराठे का कुरकुरापन मिलकर एक ऐसा जादू पैदा करते हैं जिसे आप नाश्ते में बार-बार खाना चाहेंगे। आइए जानते हैं इस स्वादिष्ट पुदीना पराठा को बनाने की आसान विधि।

सामग्री :

- 2 कप गेहूं का आटा
- 1 कप ताजी पुदीना की पत्तियां
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा पाउडर
- 1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/4 छोटा चम्मच गरम मसाला
- नमक स्वादानुसार
- 2 बड़े चम्मच तेल या घी
- पानी आवश्यकतानुसार
- तेल या घी पराठे सेकने के लिए

विधि :

एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, बारीक कटी हुई पुदीना की पत्तियां, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और नमक

डालें। अच्छी तरह से मिलाएं।अब इसमें 2 बड़े चम्मच तेल या घी डालकर आटे में अच्छी तरह से मिला लें। इससे पराठे खस्ता बनेंगे।

थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए नरम आटा गूंद लें। आटा न ज्यादा सख्त हो और न ज्यादा नरम। गुंदे हुए आटे को गीले कपड़े से ढककर 10-15 मिनट के लिए रख दें ताकि वह सेट हो जाए। आटे से मध्यम आकार की लोइयां तोड़ लें। एक लोई को सूखे आटे में लपेटकर गोल या अपनी पसंद के आकार में पतला बेल लें। ध्यान रखें कि पराठा ज्यादा मोटा या ज्यादा पतला न हो। एक तवा या पैन गरम करें। बेला हुआ पराठा तवे पर डालें और मध्यम आंच पर दोनों तरफ से हल्का सुनहरा होने तक सेकें। जब पराठा दोनों तरफ से हल्का सिक जाए, तो इस पर तेल या घी लगाएं और दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेक लें। तैयार पुदीना पराठे को दही, अचार, चटनी या अपनी पसंदीदा सब्जी के साथ गरमागरम परोसें।

नहाने का गलत तरीका कर सकता है नुकसान

हम में से ज्यादातर लोग नहाते समय इस बात पर ध्यान नहीं देते कि पानी सबसे पहले शरीर के किस हिस्से पर गिरना चाहिए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि नहाने का तरीका आपके ब्लड प्रेशर पर गहरा असर डाल सकता है? जी हां, एक छोटी-सी गलती आपकी सेहत पर बड़ा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं नहाने का सही तरीका और क्यों जरूरी है इस छोटी सी आदत को बदलना।

जब आप अचानक सिर पर या छाती पर ठंडा या गर्म पानी डालते हैं, तो शरीर को झटका लग सकता है। इससे ब्लड प्रेशर तेजी से ऊपर या नीचे जा सकता है। खासकर अगर आपको हाई या लो ब्लड प्रेशर की समस्या है, तो यह तरीका आपके लिए खतरनाक हो सकता है। कई बार यह चक्कर आने, थकावट या असहज महसूस होने का कारण भी बन जाता है।

■ सबसे पहले किस अंग पर डालें पानी?

नहाते वक्त सबसे पहले पैरों पर पानी डालना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि पैरों से पानी डालने से शरीर धीरे-धीरे तापमान परिवर्तन को स्वीकार करता है। जी हां, इससे दिल और दिमाग को अचानक झटका नहीं लगता और ब्लड सर्कुलेशन बैलेंस बना रहता है।

■ सही क्रम है जरूरी

- सबसे पहले पैरों पर पानी डालें।
- फिर धीरे-धीरे टखनों से घुटनों और जांघों तक पानी चढ़ाएं।
- इसके बाद हाथों पर, फिर कंधों पर पानी डालें।
- अंत में सिर पर पानी डालें।

जब आप सबसे पहले पैरों पर पानी डालते हैं, तो आपके शरीर को धीरे-धीरे ठंडे तापमान के अनुकूल होने का समय मिलता है। इससे रक्त वाहिकाएं अचानक से नहीं सिकुड़ती हैं और ब्लड प्रेशर में अचानक बढ़ोतरी होने की संभावना कम हो जाती है।

धीरे-धीरे ऊपर की ओर पानी डालने से ब्लड सर्कुलेशन सुचारू रूप से होता है और शरीर का तापमान धीरे-धीरे बदलता है, जिससे शरीर पर कम दबाव पड़ता है।

■ नहाने का गलत तरीका और ब्लड प्रेशर पर इसका असर

अक्सर लोग सीधे अपने सिर पर पानी डालना शुरू कर देते हैं। ऐसा करने से शरीर का ऊपरी हिस्सा अचानक ठंडा हो जाता है, जबकि निचला हिस्सा अभी भी गर्म रहता है। इस तापमान के अचानक बदलाव के कारण रक्त वाहिकाएं तेज़ी से सिकुड़ सकती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। यह हृदय रोगियों और उच्च रक्तचाप वाले व्यक्तियों के लिए हानिकारक हो सकता है।

■ इन बातों का भी रखें ख्याल

- हमेशा सामान्य या हल्के गुनगुने पानी से नहाएं। बहुत ज्यादा ठंडा या बहुत ज़्यादा गर्म पानी ब्लड प्रेशर के लिए ठीक नहीं है।
- अगर आपको चक्कर आते हैं या कमजोरी महसूस होती है, तो बहुत देर तक न नहाएं।
- हृदय रोगियों और उच्च रक्तचाप वाले व्यक्तियों को नहाने के तरीके के बारे में अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष : वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

वृषभ : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन : बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क : थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह : विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा।

कन्या : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी।

तुला : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

वृश्चिक : दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मकर : वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। परिवार के साथ रहने का अवसर प्राप्त होगा।

कुंभ : मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा।

मीन : बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। समय सुखमय व्यतीत होगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गन्ने का जूस या नारियल पानी

जानें शरीर को किससे मिलती है ज्यादा एनर्जी?

गर्मी के मौसम में कुछ ठंडा और रिफ्रेशिंग मूड को बना देता है. बाजार में इसके लिए ढेर सारे ऑप्शन मौजूद होते हैं लेकिन दो चीजें सबसे ज्यादा पसंद की जाती हैं. पहला गन्ने का जूस और दूसरा नारियल पानी.

गन्ने का जूस बहुत ही रिच और गाढ़ा होता है. इसमें नेचुरल शुगर यानी सुक्रोज भरपूर मात्रा में होती है, जो शरीर को झटपट एनर्जी देती है. अगर आप बहुत थके हुए हैं या फिर ब्लड शुगर लो हो गया है, तो एक ग्लास गन्ने का जूस आपकी बॉडी को फौरन रिचार्ज कर सकता है. गन्ने के रस में कैलोरीज और शुगर, पोटैशियम, आयरन और कार्बोहाइड्रेट अच्छी मात्रा में होती हैं.

गन्ने के रस के फायदे : तुरंत एनर्जी बूस्टर पाचन तंत्र के लिए अच्छा डिहाइड्रेशन से बचाता है स्किन को ग्लोइंग बनाता है

नारियल पानी यानी कच्चे नारियल का ठंडा रस. ये काफी हल्का और मिनरल्स से भरपूर होता है. अगर आपको बहुत ज्यादा पसीना आ रहा है या बॉडी डिहाइड्रेट हो रही है, तो नारियल पानी बेस्ट ऑप्शन है. इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो बॉडी

को अंदर से हाइड्रेट रखते हैं. कोकोनट वॉटर में कम कैलोरी, कम शुगर होता है और इसमें पोटैशियम, सोडियम, मैग्नीशियम भरपूर होते हैं.

नारियल पानी के फायदेः बॉडी को जल्दी हाइड्रेट करता है पेट के लिए हल्का हार्ट और किडनी के लिए फायदेमंद वेट लॉस में मददगार

तुरंत और ज्यादा एनर्जी देने में गन्ने का जूस ज्यादा अच्छा है. इसमें नेचुरल शुगर ज्यादा होता है, जो शरीर को इंस्टैंट एनर्जी देने का काम करता है. इसलिए जब आपको बहुत ज्यादा थकान हो या इंस्टेंट बूस्ट चाहिए, तो गन्ने का जूस बेस्ट रहेगा. लेकिन अगर आपको हल्का ड्रिंक चाहिए जो बॉडी को फ्रेश और हाइड्रेट भी करे, तो नारियल पानी परफेक्ट होगा.

सुबह खाली पेट खाएं पपीता

■ पेट होगा खुलकर साफ

पपीता एक ऐसा फल है जो सालों भर मिलता है. यह बेहद फायदेमंद फल है. खासकर, पेट संबंधित समस्याओं से बचे रहने के लिए पपीता काफी पौष्टिक और हेल्दी होता है. ढेरों मिनरल्स, विटामिंस, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर पपीता का सेवन जब आप सुबह के समय खाली पेट करते हैं तो अनगिनत स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं. चलिए जान लेते हैं पपीता सुबह खाली पेट खाने से क्या फायदा होगा.

खाली पेट पपीता खाने के फायदे

- पपीते में पपैन नाम का एंजाइम होता है, जो प्रोटीन को पचाने में मदद करता है. ऐसे में जब आप खाली पेट सुबह पपीता खाते हैं तो पाचन तंत्र मजबूत होता है. इससे डाइजेस्टिव सिस्टम भी एक्टिव होता है. आप गैस, अपच, कब्ज से बचे रह सकते हैं.
- आंतों की सफाई सुबह सही से नहीं होती है तो आप रेगुलर पपीता खा सकते हैं. आंतों में जमी गंदगी साफ हो जाती है. इससे आपको हल्का महसूस होगा. जिन लोगों को बार-बार पाचन संबंधी दिक्कतें होती हैं, उनके लिए सुबह पपीता खाना एक प्राकृतिक उपाय हो सकता है.
- यदि आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो आप आज से ही अपनी डाइट में पपीता शामिल कर लें.

इसमें कैलोरी काफी कम होती है और फाइबर की मात्रा भरपूर होती है. फाइबर पेट को भरे होने का अहसास कराता है. खाली पेट पपीता खाने से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है. फाइबर भोजन को धीरे-धीरे पचाने में मदद करता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल भी कंट्रोल में रहता है. साथ ही पपीता मेटाबॉलिज्म भी बूस्ट करता है.

- विटामिन सी होने के कारण पपीता प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है. इससे सर्दी, खांसी और अन्य संक्रमणों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है. एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम करने में कारगर होते हैं, जिससे समग्र स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है.
- के लिए भी पपीता फायदेमंद है. विटामिन ए, सी, ई, बीटा-कैरोटीन त्वचा को चमकदार और जवां बनाए रखते हैं. खाली पेट पपीता खाने से त्वचा की नमी बनी रहती है. मुंहासे, दाग-धब्बे कम होते हैं. यह बालों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि यह बालों को पोषण देता है. डैंड्रफ कम करता है. स्किन पर पपीते से बना फेस पैक लगाने से कई समस्याओं से बचा जा सकता है. स्किन सॉफ्ट होती है. टैनिंग, झुर्रियां दूर हो सकती हैं.
- हार्ट को हेल्दी रखने के लिए भी जाना जाता है पपीता. इसमें पोटैशियम, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करते हैं. ब्लड प्रेशर को संतुलित रखते हैं. खाली पेट पपीता खाने से ब्लड वेसल्स हेल्दी रहती हैं. इससे हार्ट डिजीज का जोखिम कम हो सकता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मिट्टी का टीला ढहने से पांच महिलाओं की मौत

कौशांबी. यूपी के कौशांबी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। कोखराज क्षेत्र में सोमवार सुबह मिट्टी का टीला ढहने से उसमें दबकर दो किशोरियों समेत पांच महिलाओं की मौत गई। जबकि अन्य 4 गंभीर रूप से घायल हो गईं। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से मिट्टी हटाकर शवों को बाहर निकलवाया। वहीं, योगी सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख की आर्थिक सहायता देने का निर्देश दिया है। कोखराज थानाध्यक्ष चंद्रभूषण मौर्य ने बताया कि सोमवार की सुबह थाना क्षेत्र के टीकरडीह गांव की कुछ महिलाएं घर की लिपाई-पुताई के लिए मिट्टी खोदने गांव के बाहर एक टीले पर गई थी। मिट्टी खोदते समय अचानक टीले का बड़ा हिस्सा ढह गया और वहां मौजूद सभी लोग उसमें दब गए।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसा, महिला समेत 2 की मौत; एक की हालत गंभीर

मथुरा. मथुरा के थाना बलदेव क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसे में एक महिला समेत दो लोगों ने जान गंवा दी। जबकि एक अन्य की हालत गंभीर है। मिली जानकारी के अनुसार नोएडा से आगरा की ओर जाते समय रविवार देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार महिला समेत दो की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों और घायल की शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हादसे में मारी गई महिला और एक अन्य व्यक्ति के शव को मोर्चरी में भेज दिया। इसके साथ ही घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टर इलाज में जुटे हैं।

नकली नोटों के झांसे में आ गया व्यापारी, कागजों की गड्डी के बदले गंवा दिए 5 लाख

गोरखपुर. पांच लाख रुपये में असली की तरह दिखने वाले 50 लाख रुपये के नकली नोट देने का झांसा देकर बिहार के छपरा जिले के एक व्यापारी के साथ गोरखपुर के गुलरिहा इलाके में टप्पेबाजी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने व्यापारी को गुलरिहा के भटहट इलाके में बुलाया और पांच लाख रुपये का बैग लेकर कागज की गड्डी थमाकर फरार हो गए। पीड़ित व्यापारी की तहरीर पर पुलिस ने दो टप्पेबाजों पर मुकदमा दर्ज कर कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस जल्द मामले का खुलासा कर सकती है।

लखनऊ में भीषण आग, 100 से अधिक झोपड़ियां जलीं, धमाकों से मची चीख पुकार

लखनऊ. राजधानी लखनऊ में भीषण आग लग गई। फैजुल्लागंज में मंदिर के पास सोमवार सुबह झुग्गी झोपड़ी में आग लग गई। आग की चपेट में आकर करीब 100 झोपड़ियां जल गईं। आग की चपेट में आकर ताबड़तोड़ कई सिलेंडर धमाके के साथ फटने लगे। धमाके से लोग सहम गए। चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची 10 दमकल राहत कार्य में जुटी है। अग्निशमन कर्मियों के मुताबिक अभी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। लखनऊ में मड़ियांव के फैजुल्लागंज में सोमवार सुबह आग लग गई। राधा कृष्ण मंदिर के सामने वाली गली में आग लगने की घटना बताई जा रही है। कुछ देर में आग विकराल हो गई। अफरातफरी मच गई। लोगों ने आग लगने के सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंच कर राहत बचाव कार्य में जुट गई है। आग से 100 से अधिक झोपड़ियां जल गई हैं।

भारत और फ्रांस के बीच राफेल डील साइन

- 63,000 करोड़ में 26 राफेल मरीन एयरक्राफ्ट मिलेंगे
- 3 साल बाद डिलीवरी शुरू होगी

नई दिल्ली. भारत, फ्रांस के साथ 26 राफेल मरीन विमानों की डील सोमवार को साइन हो गई। भारत की तरफ से रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने डील पर साइन किए। डील के तहत भारत, फ्रांस से 22 सिंगल सीटर विमान और 4 डबल सीटर विमान खरीदेगा।

ये विमान परमाणु बम दागने की क्षमता से लैस होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस के साथ ये डील करीब 63,000 करोड़ रुपए में हो रही है। हथियारों की खरीद के मामले में यह फ्रांस के साथ भारत की अब तक की सबसे बड़ी डील है।

विमानों की खरीद को 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) की बैठक में मंजूरी मिली थी। यह मीटिंग पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बुलाई गई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की डिलीवरी 2028-29 में शुरू होगी और 2031-32 तक सभी विमान भारत पहुंच जाएंगे।

INS विक्रांत पर तैनात होंगे राफेल मरीन

भारत राफेल मरीन विमानों को INS विक्रांत पर तैनात करेगा। विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन ने इन विमानों में भारत की जरूरत के हिसाब से कई बदलाव किए हैं। इसमें एंटी शिप स्ट्राइक, न्यूक्लियर हथियार लॉन्च करने की क्षमता और 10 घंटे तक फ्लाइट रिकॉर्ड करने जैसे फीचर शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी भारत को हथियार प्रणाली, स्पेयर पार्ट्स और एयरक्राफ्ट के जरूरी टूल्स भी देगी।

फ्रांस से 36 राफेल खरीद चुका भारत

राफेल मरीन से पहले भारत फ्रांस से एयरफोर्स के लिए 36 राफेल जेट भी खरीद चुका है। 2016 में हुई इस डील के सभी विमान 2022 में भारत पहुंचे थे। इन्हें एयरफोर्स के अंबाला और हाशिनारा एयरबेस से संचालित किया जाता है। ये डील 58,000 करोड़ रुपए में हुई थी। राफेल मरीन विमान के फीचर्स एयरफोर्स के राफेल विमान से एडवांस हैं।

17 पाकिस्तानी यू-ट्यूब चैनल बैन

- रक्षा मंत्री और PM ने 40 मिनट बैठक की
- रक्षा मामलों की संसदीय समिति की बैठक 3 बजे से

नई दिल्ली. पहलगाम अटैक की रिपोर्टिंग को लेकर भारत ने सोमवार को 17 पाकिस्तानी यू-ट्यूब चैनल्स पर बैन लगा दिया है। इनमें क्रिकेटर शोएब अख्तर, डॉन न्यूज, समा टीवी और जिओ न्यूज शामिल हैं। सरकार का कहना है कि ये चैनल्स भारत और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ झूठी और भ्रामक खबरें चला रहे हैं।

BBC को भी चेतावनी दी गई है। पहलगाम हमले की रिपोर्टिंग के दौरान BBC आतंकवादियों को उग्रवादी बता रहा था। सरकार ने यह कार्रवाई गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद की है। उधर, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज बुलाए गए विशेष सत्र में पहलगाम में मारे गए टूरिस्टों को श्रद्धांजलि दी गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ के बीच एक अहम मीटिंग हुई। 40 मिनट तक चली इस मीटिंग में राजनाथ ने प्रधानमंत्री को पहलगाम अटैक पर विस्तार से जानकारी दी। आज रक्षा मामलों की संसदीय समिति की बैठक भी होने वाली है।

इस बीच, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 15 ठिकानों पर रेड की है। सूत्रों ने बताया कि ये रेड उन आतंकवादियों के ठिकानों पर की गई है, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले (PoK) से ऑपरेट कर रहे हैं और इनके लिंक पहलगाम अटैक से जुड़े हैं।

बिलावल की अम्मा को किसने मारा?

पहलगाम आतंकी हमले पर ओवैसी ने सुना डाला

हैदराबाद. हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी पर तीखा तंज कसा है। पहलगाम आतंकी हमले पर बिलावल के बयान पर ओवैसी ने कहा कि वह तो नए-नए राजनीति में आए हैं, उन्हें कुछ पता ही नहीं है। ओवैसी ने कहा, 'वह तो अभी-अभी राजनीति में आए हैं। उन्हें सोचना पड़ेगा कि उनकी अम्मा को किसने मारा। उनकी वालिदा तो आतंकवाद में ही मारी गई थीं। सोचने की बात है कि जिसकी मां को वहीं के आतंकवादियों ने मार दिया, वह कुछ समझ नहीं रहा। यदि उनकी मां को कोई मार देता है तो वह आतंकवाद है, लेकिन हमारी मां और बहनों पर अटैक होता है तो वह आतंकवाद नहीं है। यह क्या बात हुई।' बिलावल भुट्टो फिलहाल सांसद हैं और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के चेयरमैन हैं।

पहलगाम अटैक पर CM उमर अब्दुल्ला का भावुक संबोधन

सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी थी, मृतकों के परिजनों से क्या कहूं; माफी के लिए शब्द नहीं

जम्मू. जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को पहलगाम अटैक में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- मेजबान होने के नाते मैं सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। इन लोगों के परिजन से मैं कैसे माफी मांगू। मेरे पास कोई शब्द नहीं है।

उमर ने कहा- जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा लोगों की चुनी हुई हुकूमत की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन CM और टूरिज्म मिनिस्टर होने के नाते मैंने इन्हें बुलाया था। मेजबान होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि इन्हें सुरक्षित भेजूं, नहीं भेज पाया।

उमर ने कहा- उन बच्चों से क्या कहता, जिन्होंने अपने वालिद को खून में लिपटा हुआ देखा। उस नेवी अफसर की विधवा को, क्या कहूं, जिन्हें शादी हुए ही चंद दिन हुए थे। कुछ लोगों ने पूछा कि क्या कसूर था हमारा। हम पहली बार कश्मीर आए थे छुट्टी मनाने के लिए। इस छुट्टी का जिंदगी भर खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

उमर अब्दुल्ला ने कहा- यकीन नहीं होता कि चंद दिन पहले हम इस सदन में थे और बजट पर कई अन्य मुद्दों पर बहस चली। सदन स्थगित होते होते हम यह उम्मीद कर रहे थे कि श्रीनगर में दोबारा मुलाकात होगी। किसने सोचा था कि जम्मू-कश्मीर में ऐसे हालात बनेंगे कि दोबारा यहां मिलना पड़ेगा।

उमर ने कहा- मेरे पास अल्फाज नहीं...

उमर अब्दुल्ला ने कहा- स्पीकर साहब उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से पश्चिम पूरा देश इस हमले की चपेट में आया है। यह पहला हमला नहीं था। हमने कई हमले होते हुए देखे हैं। हमने अमरनाथ यात्रा, डोडा के गांवों में हमले देखे, कश्मीरी पंडितों की बस्तियों पर हमले देखे, सिख बस्तियों पर हमले देखे। अब्दुल्ला ने कहा कि बीच का ऐसा वक्त आया था, बैसरन का हमला 21 साल के बाद इतना बड़ा हमला है। यह हमला सिविलियंस पर सबसे बड़ा हमला है। यह हमारा मुस्तकबिल नहीं है, यह हमारे अतीत की कहानी है। अब लगता है कि अगला हमला कहां पर होगा। मेरे पास अल्फाज नहीं थे कि क्या बोलूं, मरने वालों के घरवालों से माफी कैसे मांगूं।

युद्धपोतों की सफल एंटी-शिप मिसाइल फायरिंग

अरब सागर से नौसेना ने दिया मजबूत संदेश

मुंबई. भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने कई सफल एंटी-शिप मिसाइल फायरिंग की हैं। नेवी के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि ये फायरिंग्स लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए प्लेटफॉर्म्स, सिस्टम्स और क्रू की ऑपरेशनल तैयारी की पुष्टि करती हैं। इसका मकसद नौसेना की युद्ध की तैयारी और भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की काबिलियत का प्रदर्शन करना था। ये युद्धपोत अरब सागर में तैनात थे। पोस्ट में लिखा गया, 'भारतीय नौसेना के जहाजों ने

कई एंटी-शिप फायरिंग्स को सफलता से अंजाम दिया। इस तरह लंबी दूरी के सटीक ऑफेंसिव स्ट्राइक्स के लिए प्लेटफॉर्म्स, सिस्टम्स और क्रू की तैयारी की पुष्टि की गई। नेवी किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी तरह से राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए तत्पर, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार है।'

इससे पहले, भारतीय नौसेना के मिसाइल विध्वंसक पोत 'आईएनएस सूरत' ने मध्यम दूरी तक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। बताया जा रहा है कि इस मिसाइल की मारक क्षमता करीब 70 किलोमीटर है। नेवी ने कहा, 'भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक पोत 'INS सूरत' ने समुद्र में स्थित लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक हमला किया, जो नौसेना की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन, विकास और संचालन में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाती है। रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।' नौसेना ने कहा कि यह मील का पत्थर राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा के लिए बल की अटूट प्रतिबद्धता का सबूत है।

खड़गे बोले- पहलगाम हमले पर PM मोदी गंभीर नहीं

नई दिल्ली. कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेंगलुरु में कहा- पहलगाम हमले पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी को भी आना चाहिए था, लेकिन वे नहीं आए। हमने बैठक में सबसे पहले यही सवाल उठाया था। खड़गे ने कहा- जब देश में 26 लोगों मारे गए और कई घायल हों, तब भी PM का सर्वदलीय बैठक के प्रति रवैया ठीक नहीं है। उस वक्त मोदी बिहार में चुनावी रैली को संबोधित करने में व्यस्त थे। अगर वह बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह इसे लेकर गंभीर नहीं हैं।

पहलगाम हमले को लेकर 24 अप्रैल को पार्लियामेंट एनेक्सी में 2 घंटे तक सर्वदलीय बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। अमित शाह, एस जयशंकर, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत कई नेता इसमें शामिल हुए।

'भारत ने ही हिंदू मरवाए'

हम पाकिस्तान के साथ खड़े हैं; खालिस्तानी पन्नू ने सेना को दी खुली धमकी

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का साथ देने का ऐलान कर दिया है। हाल ही में उसने कहा है कि पंजाब के जरिए भारत को पाकिस्तान पर हमला नहीं करने दिया जाएगा। आतंकवादी हमले में 26 लोगों की हत्या हो गई थी। आजाद डिजिटल से खास बातचीत में SFJ यानी सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू ने पाकिस्तान का साथ देने की बात कही है। उसने कहा, 'यह न 1965 और न 1971 है... आज है 2025 है। मैं पाकिस्तान की आवाम को भरोसा दिलाता हूं कि हम पाकिस्तान के साथ ईंट की तरह खड़े हैं। कोई भारतीय सेना की इतनी हिम्मत नहीं होने देंगे कि वो

पंजाब पार कर पाकिस्तान पर हमला करे। क्योंकि पाकिस्तान का नाम ही पाक है।'

पन्नू ने कहा, 'यहां पाकिस्तान को समझने की जरूरत है, सिख समझ चुके हैं।' हालांकि, पन्नू ने पाकिस्तान की सरकार और आवाम के सामने खालिस्तान को मान्यता देने की शर्त रखी है। उसने पहलगाम को हिंदुओं का नरसंहार बताया और आरोप लगाए हैं कि इसके पीछे राजनीति की जा रही है। साथ ही आरोप लगाए हैं कि भारत ने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए हिंदुओं की हत्या कराई है।

पन्नू ने कहा, '...दुनियाभर में हम पाकिस्तान के साथ खड़े होंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत कूटनीतिक रूप से पाकिस्तान के अलग थलग न कर सके।'

पन्नू ने कहा, 'जो पहलगाम में हुआ, उन लोगों ने अपने हिंदू को ही मारा है। इसका कारण समझना जरूरी है। इसका कारण है, राजनीतिक कारण है। राजनीतिक वोट हैं। पहलगाम में जो हिंदुओं का नरसंहार हुआ है, वो चुनाव जीतने के लिए हुआ है...।'

लखनऊ पर स्लोओवर रेट के लिए दूसरी बार फाइन

- पंत पर 24 लाख का जुर्माना
- प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी फाइन

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभपंत पर स्लो ओवर रेट के लिए 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही इंपैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ियों को भी 6 लाख रुपये या मैच फीस का 25 प्रतिशत जो भी कम हो जुर्माना के तौर पर देना होगा।

लखनऊ पर यह जुर्माना 27 अप्रैल को मुंबई में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हुए मैच में निर्धारित समय तक पूरा ओवर नहीं फेंकने की वजह से लगाया गया है। लखनऊ का इस सीजन में दूसरा स्लोओवर रेट है।

लखनऊ को 6 विकेट से मिली हार

IPL-18 के 46वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली ने 8 विकेट खोकर 162 रन बनाए। रविवार को बेंगलुरु ने क्रुणाल पंड्या और विराट कोहली के फिफ्टी की बदौलत 19वें ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

लखनऊ पॉइंट टेबल में छठे नंबर पर

लखनऊ को 10 मैचों में 5 जीत और 5 हार मिली। टीम 10 पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर है। LSG को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए बचे हुए चारों मैच जीतने ही होंगे।

आठवीं इस सीजन में लगा स्लोओवर रेट

इस सीजन में आठवीं बार स्लोओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया है। लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स पर दो बार, मुंबई इंडियंस, और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस पर एक-एक बार जुर्माना लगाया जा चुका है।

केदारनाथ-बदरीनाथ के लिए 3 मई से हवाई सेवाएं

- हेली टिकट के लिए ऐसे होगी बुकिंग

देहरादून. उत्तराखंड चारधाम यात्रा 2025 के लिए सरकार की सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकीं हैं। देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट से 3 मई से केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के लिए हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है।

रुद्राक्ष एन्क्लेव हवाई सेवा के मैनेजर सौम्य गुप्ता ने बताया कि केदारनाथ और बदरीनाथ के लिए हेली सेवा जौलीग्रांट से तीन मई से शुरू होने जा रही है। अभी तक 85 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। इस वर्ष एक व्यक्ति का किराया एक लाख पच्चीस हजार रुपये रखा गया है।

यह हेली सेवा एक दिन में ही

केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम के दर्शन करवाएगा। हेली सेवा के जरिए यात्री पहले केदारनाथ बाद में बदरीनाथ धाम जाएंगे। जो व्यक्ति तीन दिन में पूरे दर्शन करना चाहेगा, उसके लिए एक लाख पैंतालीस हजार रुपये किराया रखा गया है।

जिसमें सभी सुविधाएं दी जाएंगी। पिछले वर्ष इस हेली सेवा के माध्यम से लगभग तीन हजार श्रद्धालुओं को दर्शन करवाए गए थे। पिछले वर्ष यह किराया एक लाख ग्यारह हजार रुपये था। बताया कि एक बार में 20 लोगों को लेकर एमआई-17 उड़ान भरेगा।

चारधाम यात्रा के लिए हेली बुकिंग के साथ-साथ ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो चुका है, जबकि चारधाम के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन आज 28 अप्रैल से शुरू हो गया है। हरिद्वार, ऋषिकेश आदि शहरों में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन हो रहा है।

30 अप्रैल से खुल रहे हैं कपाट

चारधाम यात्रा के लिए धामों के कपाट खुलने की तारीखों का ऐलान हो चुका है। उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल को दर्शनार्थ खोले जाएंगे। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को खोले जाएंगे। जबकि, चमोली में स्थित बदरीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खुलेंगे और श्री हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खुलेंगे।

चारधाम के लिए ऐसे होगा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

- उत्तराखंड चारधाम यात्रियों के लिए रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य किया गया है। तीर्थ यात्री ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। उत्तराखंड सरकार की सरकारी वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है।
- इसके साथ ही मोबाइल ऐप touristcareuttarakhand पर भी पंजीकरण कराया जा सकेगा।हेलीकॉप्टर यात्रा के लिए हेली टिकट heliyatra.irctc.co.in पर बुक किए जा सकेंगे, इसके लिए बुकिंग अप्रैल पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है।
- किसी भी समस्या के लिए टोल फ्री नंबर 0135-1364 पर श्रद्धालु 24 घंटे संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही टेलीफोन नंबर 01352559898 और 01352552627 पर भी संपर्क कर सकेंगे। बताया कि ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए सरकारी पहचान पत्र को अनिवार्य किया गया है।

छत्तीसगढ़ में 24 नक्सलियों का सरेंडर

बीजापुर. छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों के खिलाफ फिर बड़ी सफलता मिली है। आज कुल 24 नक्सलियों ने सरेंडर किया है,जिसमें 14 के ऊपर कुल 28.50 लाख का इनाम था। यह आत्मसमर्पण 21 अप्रैल से तेलंगाना की सीमा से लगे बीजापुर के पहाड़ों पर लगभग 24,000 सुरक्षाकर्मियों द्वारा चलाए जा रहे एक बड़े नक्सल विरोधी अभियान के बीच हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 11 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा,₹उन्होंने अमानवीय माओवादी विचारधारा से निराशा, उग्रवादियों द्वारा स्थानीय आदिवासियों पर किए जा रहे अत्याचार और प्रतिबंधित संगठन के भीतर बढ़ते मतभेदों का हवाला दिया है।

NCERT की नई किताब से मुगल हटे

- भारतीय राजवंशों पर नए चैप्टर, जोड़ा गया महाकुम्भ

नई दिल्ली. एनसीईआरटी ने सातवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में बड़ा बदलाव किया है। अब छात्रों को मुगल और दिल्ली सल्तनत का इतिहास नहीं पढ़ाया जाएगा। इसकी जगह सामाजिक विज्ञान की किताब 'समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे' में प्राचीन भारतीय राजवंशों जैसे मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन पर नए अध्याय होंगे, जिनका ध्यान भारतीय लोकाचार पर है। इसके अलावा महाकुम्भ, भूगोल, मेक इन इंडिया और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहल पर केंद्रित नए अध्याय शामिल किए गए हैं।

दूसरा भाग अगले महीनों में आने की उम्मीद

इस सप्ताह जारी नई पाठ्यपुस्तकें नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफएसई) 2023 के अनुरूप तैयार की गई हैं।

एनसीईआरटी के अधिकारियों ने बताया कि यह पाठ्यपुस्तक का पहला भाग है, दूसरा भाग आगामी महीनों में आने की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं की कि हटाए गए हिस्से किताब के दूसरे भाग में बरकरार रखे जाएंगे या नहीं। पहले मुगलों से जुड़े पाठों को छोटा किया गया था।

मुगलों से जुड़े पाठों को किया था छोटा

एनसीईआरटी ने पहले मुगलों और दिल्ली सल्तनत से जुड़े पाठों को छोटा कर दिया था। इसमें तुगलक, खिलजी, मामलुक और लोदी जैसे राजवंशों का विस्तृत विवरण और मुगल सम्राटों की उपलब्धियों पर दो-पृष्ठ की तालिका शामिल थी। ये कवायद 2022-23 में कोविड-19 महामारी के मद्देनजर पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के लिए की गई थी, हालांकि, नई पाठ्यपुस्तक में अब उनके सभी संदर्भों को हटा दिया है।

जवाहरलाल नेहरू का एक रिफरेंस भी शामिल

पुस्तक में 'भूमि कैसे पवित्र बनती है' नामक अध्याय है, जो इस्लाम, ईसाई, यहूदी, पारसी, हिंदू, बौद्ध और सिख जैसे धर्मों के लिए भारत और बाहर पवित्र माने जाने वाले स्थानों और तीर्थस्थलों पर केंद्रित है।

स्पेन, पुर्तगाल और फ्रांस के कुछ हिस्सों में ब्लैक आउट

स्पेन, पुर्तगाल और दक्षिणी फ्रांस के कुछ हिस्सों में सोमवार को भीषण ब्लैकआउट देखा गया। इसके कारण बिजली आपूर्ति बड़े पैमाने पर बाधित हो गई, जिससे लाखों लोग प्रभावित हुए। बिजली की सप्लाई में रुकावट आने का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है। स्पेन के सरकारी बिजली नेटवर्क ऑपरेटर रेड इलेक्ट्रिका ने एक्स पर कहा, 'हम देश के उत्तर और दक्षिण में बिजली बहाल करने में सफल रहे हैं।' पुर्तगाल के आरईएन ऑपरेटर ने बताया कि पूरा इबेरियन प्रायद्वीप प्रभावित हुआ है। साथ ही फ्रांस के कुछ हिस्सों में भी असर देखा गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिजली गुल होने से सार्वजनिक परिवहन ठप हो गया। भारी ट्रैफिक जाम लग गए और हवाई उड़ानें भी प्रभावित हुईं। फिलहाल कंपनियां ग्रिड बहाल करने की कोशिश में लगी हुई हैं। अधिकारियों को घटना के 2 घंटे बाद भी इसका कारण समझ नहीं आया। हालांकि, साइबर हमले की संभावना को खारिज नहीं किया गया है। इस एंगल से भी जांच की जा रही है।

संक्षेप...

ड्रग्स फैक्ट्री में छापा; 4 किलो MD जब्त

वसई. मुंबई में पुलिस ने एमडी ड्रग्स फैक्ट्री में छापा मारा। पुलिस ने छापेमारी कर 4 किलो ड्रग्स जब्त किया, जिसकी कीमत करोड़ों की है। साकीनाका पुलिस ने वसई में एक सीमेंट कंपनी में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री पर छापा मारा, जिसमें 8 करोड़ रुपये की कीमत की 4 किलो ड्रग्स जब्त की गई।

साकीनाका पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। साकीनाका पुलिस ने तीन संदिग्धों सादिक शेख, सिराज पंजवानी और सैयद ईरानी को गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी अभी भी फरार है, और पुलिस उसकी तलाश जारी रखे हुए है।

मुंबई अलर्ट मोड पर!

CSMT पर पुलिस सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में देश के 27 पर्यटक मारे गए। इस हमले से पूरे देश में गुस्से की लहर फैल गई है। इस बार हमलावर आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया। इसलिए पूरी दुनिया में इस घटना पर गुस्सा व्यक्त किया जा रहा है। यह स्पष्ट हो गया है कि इस हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। पाकिस्तान आतंकवादियों को वित्तपोषित कर रहा है। इसलिए भारत ने पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। भारत ने भारत-पाक सीमा पर सिंधु संधि को भी रद्द कर दिया है। इसके अलावा पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। इन सभी घटनाक्रमों को देखते हुए अब मुंबई में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

अगर हम आतंकवादी हमलों के इतिहास पर नजर डालें तो इन हमलों में मुंबई को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। एक बार मुंबई में कई बम विस्फोट हुए। इसके बाद 26/11 का आतंकवादी हमला भी हुआ। इस हमले के घाव ऐसे हैं कि वे कभी नहीं भरेंगे। पहलगाम हमले के बाद आतंकवादी फिर से मुंबई को निशाना बना सकते हैं। क्योंकि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है। यहां लाखों नागरिक रहते हैं। पिछले हमले में आतंकवादियों ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएमएमटी) रेलवे स्टेशन पर गोलीबारी की थी। इसलिए ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पुलिस सतर्क हो गई है। पहलगाम में हुए हमले के बाद अब मुंबई में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त और आरपीएफ द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। एहतियात के तौर पर सीएसएमटी स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आरपीएफ, जीआरपी, एमएसएफ और डॉग स्क्वायड द्वारा संयुक्त गश्त शुरू कर दी गई है। यह भी बताया गया है कि आज शाम 7 बजे सीएसएमटी स्टेशन की सुरक्षा का निरीक्षण किया जाएगा। मुंबई में पुलिस हाई अलर्ट पर है। साथ ही सभी स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं।

आतंकवादियों के पास धर्म पूछने का समय नहीं होता

पहलगाम हमले पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार के बिगड़े बोल

मुंबई. महाराष्ट्र में कांग्रेस के विधायक विजय वडेट्टीवार ने पहलगाम आतंकी हमले पर विवादित बयान दिया है। यूपी, कर्नाटक, बिहार, हरियाणा समेत कई राज्यों के मासूम पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर मारने के मामले में विजय वडेट्टीवार का कहना है कि ऐसी बातें गलत हैं। वडेट्टीवार ने कहा कि आखिर आतंकियों के पास इतना समय ही कहां होता है कि वे किसी के कान में जाकर पूछें कि तुम्हारा धर्म क्या है। कुछ लोगों का कहना है कि ऐसा नहीं हुआ है। आतंकियों की कोई जाति या धर्म नहीं होता। इस मामले में जिम्मेदार लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। यही देशवासियों की भावना है। इसकी बजाय घटना को कोई और रंग या मोड़ देना गलत होगा।

विजय वडेट्टीवार ने कहा, 'पहलगाम की जिम्मेदारी तो सरकार को लेनी चाहिए। वहां सुरक्षा क्यों नहीं थी। आखिर 200 किलोमीटर तक आतंकी कैसे आ जाते हैं। क्या यह आपका इंटेलिजेंस फेल नहीं है।' वडेट्टीवार ने कहा कि इस गलती को मानने की बजाय आपका फोकस इस बात पर है कि धर्म पूछकर मारा गया। क्या आतंकियों के पास इतना समय होता है कि वह लोगों के पास जाएं और कान में पूछें कि तुम्हारा धर्म क्या है। उन्होंने कहा कि आतंकियों के खिलाफ ऐक्शन होना चाहिए। आखिर इतनी सुरक्षा चूक कैसे हो गई। इस पर विचार करना चाहिए, लेकिन इस मामले में दूसरी तरफ ध्यान ले जाना गलत है।

खतरनाक पेड़ों की टहनियों की छंटनी का काम 45% पूर्ण

मई के अंत तक छटनी कार्य होगा पूरा

ठाणे. मनपा हर साल मानसून से पहले पेड़ों की खतरनाक शाखाओं की छंटाई करता है।इस साल खतरनाक शाखाओं के छटनी का निर्धारित समय से दो महीने पहले ही शुरू हो गया है।इस अभियान में अब तक 6367 पेड़ों में से 2753 पेड़ों से खतरनाक शाखाओं का छटनी हो चुकी हैं।मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार मनपा क्षेत्र के प्रमुख मार्गों, फुटपाथों, सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, अस्पतालों, पार्कों, चौराहों, बस स्टॉप और आवासीय क्षेत्रों से खतरनाक शाखाओं की छंटाई की जा रही है। यह छंटाई तकनीकी दृष्टिकोण से की जा रही है, तथा बरसात के मौसम में बिजली के तारों और पेड़ की शाखाओं के संपर्क से होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना को ध्यान में रखा जा रहा है।इसलिए प्रभाग समिति स्तर पर सर्वेक्षण किया गया है और लगभग 6,367 पेड़ों की खतरनाक शाखाओं की छटनी होगी। यह जानकारी वृक्ष अधिकारी राजेश सोनवने दिया।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि नागरिकों को गर्मियों के दौरान पेड़ों की छाया का अधिकतम लाभ मिले तथा पेड़ों की प्राकृतिक वृद्धि बरकरार रहे, केवल आवश्यक स्थानों पर ही खतरनाक शाखाओं की छंटाई की जा रही है। साथ ही, वृक्ष प्राधिकरण विभाग के माध्यम से ठाणे मनपा के सभी वार्डों के पूर्व नगरसेवकों और जनप्रतिनिधियों से इस अभियान के संबंध में संपर्क किया जा रहा है। उनके साथ समन्वय करके, जहां आवश्यक हो, वहां खतरनाक वृक्ष शाखाओं की छंटाई की जा रही है। साथ ही, इन शाखाओं को हटाने से उत्पन्न हरित कचरे को एकत्र कर वैज्ञानिक पद्धति से जैविक खाद के उत्पादन के लिए कोपरी स्थित ठाणे मनपा के हरित अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र में भेजा जा रहा है।

किन इलाकों में कितना हुआ काम...

नौपाड़ा-कोपरी (35 प्रतिशत), उथलसर (40 प्रतिशत), लोकमान्य नगर-सावरकर नगर (42 प्रतिशत), वागले (35 प्रतिशत), माजीवाड़ा-मानपाड़ा (60 प्रतिशत), वर्तकनगर (48 प्रतिशत), कलवा (46 प्रतिशत), मुंब्रा (63 प्रतिशत) और दिवा (24 प्रतिशत)सभी प्रभाग समिति क्षेत्रों में चल रहा है। वृक्षों की छटनी और अत्यधिक पत्तियों को कम करने की कुल औसत दर 45 प्रतिशत है। वृक्ष अधिकारी सोनवने ने यह भी कहा कि शेष कार्य मई के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि

शिव परिवार ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

ठाणे. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शिव परिवार और शिवशांति प्रतिष्ठान की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व शिव परिवार के संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने किया।एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने कहा की शिव परिवार व शिवशांति प्रतिष्ठान शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हैं।रक्तदान महादान है जिसे हर स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन महीने में अवश्य करना चाहिए। मजदूर वर्ग, रिक्शा चालक, बढ़ई जैसे अनेक वर्गों में रक्तदान को लेकर मिथक फैले हुए हैं कि रक्तदान से कमजोरी आती है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। रक्तदान से न केवल स्वयं का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि किसी जरूरतमंद का जीवन भी बचाया जा सकता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ठाणे सिविल अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने पहलगाम में शहीद हुए दिवंगत आत्मा को फूल अर्पित किया।आयोजित रक्तदान शिविर में कहा कि हम कितने भी एडवांस हो जाए लेकिन रक्त बनाने के लिए अभी तक एडवांस कुछ नहीं हुआ है।रक्त तो किसी फैक्ट्री में बनता नही है इंसान को ही इंसान के लिए रक्तदान करना पड़ता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।इस शिविर में

शिव परिवार प्रमुख पंडित राम मिलन शुक्ला, डॉ. अजय सिंह,संपादक अरुणलाल यादव, संस्कार क्लासेस की संचालिका लक्ष्मी मौर्या, प्रधानाचार्य मनीषा सिंह,प्रधानाचार्य कुंवर राकेश सिंह तोमर, प्रसिद्ध भोजपुरी गायक सोनू सिंह सुरीला, एडवोकेट शिक्षा संस्कार, समाजसेवक राकेश देवरे, सूरज उपाध्याय, आशीष सिंह, तरुण सिंह, लोगी ठाकुर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बगैर मंजूरी केबल लगाने वालों की खैर नहीं

मनपा प्रशासक अनमोल सागर ने दिए काटने के आदेश

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी-निजामपूर शहर महानगर पालिका क्षेत्र में केबल व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों के खिलाफ महापालिका एक्शन मूड में है. प्रशासक अनमोल सागर के आदेश पर मनपा के राजस्व का नुकसान करने वाले बगैर अनुमति के फ्लाईओवर पर गलत तरीके से बिछाई गई ऑप्टिकल फाइबर और वाई-फाई केबलों को काट कर हटाया गया. महापालिका प्रशासन का निर्देश है कि केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम, 1995 की धारा 4(बी) और महाराष्ट्र शासन के निर्देशों के अनुसार, किसी भी केबल व्यवसायी के लिए मनपा से पूर्वानुमति लेना अनिवार्य के बावजूद कई व्यवसायियों द्वारा नियमों की अवहेलना किए जाने पर, प्रशासक व आयुक्त अनमोल सागर के आदेश पर यह विशेष मुहिम चलाई जा रही है.फ्लाईओवर के ऊपर गलत तरीके से बिछाए गए अवैध केबल से सड़क हादसे भी होते हैं.मनपा प्रभाग क्रमांक 1 से 5 के अधिकारियों, विद्युत विभाग के कार्यकारी अभियंता, आपातकालीन विभाग प्रमुख और महापालिका के कर्मचारियों ने मिलकर नदी नाका ब्रिज से बागे फिरदोस मस्जिद तथा स्व.राजीव गांधी ब्रिज क्षेत्र तक फैली अवैध केबलों को हटाया. मनपा ने सभी केबल व्यवसायियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि, वे अपने क्षेत्र से अवैध केबलें तत्काल हटाएं. भविष्य में बिना अनुमति के केबल लगाई जाती है और उसकी जानकारी मिलती है, तो संबंधित व्यवसायियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में फौजदारी (आपराधिक) का मामला दाखिल कराया जाएगा.

निःशुल्क मेगा चिकित्सा व मुफ्त दवा वितरण शिविर

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था (रजि.) द्वारा 1 मई महाराष्ट्र दिवस व मजदूर दिवस के उपलक्ष्य पर निःशुल्क मेगा चिकित्सा व मुफ्त दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया है. यह शिविर सिस्टर निवेदिता इंग्लिश हायस्कूल एंड जूनियर कॉलेज, फेणेगाव, कामतघर, भिवंडी में गुरुवार 1 मई को सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक चलेगा.

इस शिविर में मेडिकल चेकअप, मुफ्त ब्लड टेस्ट, ईसीजी टेस्ट, छाती का एक्स-रे, आँखो की जाँच, एचआईवी जाँच, ब्लड शुगर जाँच, किडनी स्टोन जाँच, ब्लड प्रेशर जाँच, टी.बी. रोग जाँच की जाएगी. साथ ही मुफ्त एंजियोग्राफी जाँच, एंजियोप्लास्टी जाँच, बायपास जाँच, कैंसर जाँच, हार्ट चेकप, पथरी की जाँच, ऑर्थोपेडिक्स जाँच भी की जाएगी. उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था (रजि.) कृष्णगोपाल सिंह (दादा ठाकुर) एवं पदाधिकारियों ने शिविर का लाभ उठाने की लोगों से अपील की है.

सरकारी प्रमाण पत्र बनाने के लिए आज शिविर का आयोजन

महेश सुखरामानी ने की लाभ उठाने की अपील

उल्हासनगर. भाजपा के पूर्व नगरसेवक व महाराष्ट्र राज्य सिन्धी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष महेश सुखरामानी ने पैनल-६ के रहिवासियों से आह्वान किया गया है कि सरकारी प्रमाण पत्र बनाने के लिये आयोजित शिविर का लाभ लेने से नहीं चूके।

मंगलवार 29 अप्रैल को कैंप-2 स्थित पैनल-6 के अंतर्गत बालकनजी बारी रोड व महेश सुखरामानी कार्यालय के समीप नारायणदास भाटिया हॉल में सरकारी प्रमाण पत्र बनाने के शिविर का आयोजन किया गया है। जिस शिविर के माध्यम से आधार कार्ड, उत्पन्न दाखिला, न्यू इलेक्शन कार्ड, रहिवासी प्रमाण पत्र और वरिष्ठ नागरिक प्रमाण पत्र बनाने और दस्तावेज दुरूस्त करवाने की व्यवस्था की गई है। जिस शिविर में सामान्य सरकारी शुल्क लेकर सरकारी प्रमाण पत्र बनाकर दिये जाऐंगे और जो प्रमाण पत्र बनवाने के लिये अनिवार्य कागजातों का होना लाजमी है। ऐसे में महेश सुखरामानी द्वारा पैनल-६ के रहिवासीयों से आहवान किया गया है कि ज्यादा से ज्यादा उक्त सरकारी शिविर का लाभले क्योंकि किसी भी व्यक्ति के पहचान हेतू सरकारी प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है और साथ ही किसी भी सरकारी योजना का लाभ लेने के लिये भी सरकारी प्रमाण पत्र मौजूद होना आवश्यक है।

UPSC में आरिफ मोईन सय्यद ने बढ़ाया शहर का मान

भिवंडी. भिवंडी के मेधावी छात्र आरिफ मोईन सय्यद ने UPSC 2024 (सिविल सेवा परीक्षा) में 594वीं रैंक प्राप्त कर शहर का नाम रोशन किया है.सांसद बाल्या मामा और भाजपा विधायक महेश चौघुले ने भाजपा पदाधिकारियों के साथ उनके घर जाकर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं.उक्त मौके पर पूर्व नगरसेवक तलहा मोमिन, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष परेश (राजू) चौघुले और समाजसेवक सनी फुटानकर भी मौजूद थे.आरिफ की सफलता ने भिवंडी में खुशी का माहौल बना दिया है.आरिफ मोईन सय्यद का कहना है कि यह सफलता उनके कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है. UPSC की तैयारी के दौरान कई कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन परिवार और दोस्तों का भारी समर्थन प्राप्त होने से कभी हार नहीं मानी.

परशुराम जन्मोत्सव के सभी कार्यक्रम रद्द

ठाणे. जय परशुराम सेना,गौड़ ब्राह्मण संस्था, समस्त ब्राह्मण समाज, भगवान श्री परशुराम प्राकट्य उत्सव समिति उल्हासनगर आदि संस्थाओं की ओर से सालों से भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाता रहा है लेकिन कश्मीर के पहलगांव में हुई आतंकी घटना के चलते इस साल जन्मोत्सव के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिया हैं । सभी संस्थाओं ने इस आशय का सामूहिक निर्णय लिया है। पहलगाम आतंकी घटना में 28 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि बड़ी संख्या में पर्यटक घायल हुए हैं। पूरे देश के साथ ब्राह्मण समाज इस दुखद घटना की भरसक निंदा करता है.

आम सूचना

मैं श्रीमती सुलोचना भिमराव शिंदे सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, शिव रोड, एचएम गेट के सामने, तानाजी नगर, शहाड, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014186200) उक्त प्रॉपर्टी श्री भीमराव सखाराम शिंदे के नाम पर है। उनका निधन 2.1.2025 हो हुआ। श्री सुनील भिमराव शिंदे व श्री अनिल भिमराव शिंदे ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 28.4.2025 सी.नं. 1744/2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुलोचना भिमराव शिंदे

आम सूचना

मैं श्रीमती सुलोचना भिमराव शिंदे सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, शिव रोड, सुंदर मटन शॉप के पीछे, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ017883600) उक्त प्रॉपर्टी श्री भीमराव सखाराम शिंदे के नाम पर है। उनका निधन 2.1.2025 हो हुआ। श्री सुनील भिमराव शिंदे व श्री अनिल भिमराव शिंदे ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 28.4.2025 सी.नं. 1746/2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुलोचना भिमराव शिंदे

रणदीप हुड्डा ने ठुकरा दी थी यह हिट फिल्म

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा इन दिनों उनकी फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में है। फिल्म में रणदीप ने निगेटिव रोल प्ले किया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रणदीप हुड्डा ने जब साल 2002 में आई फिल्म 'कंपनी' का ट्रेलर देखा तो वह राम गोपाल वर्मा के साथ काम करने के लिए बहुत एक्साइटेड थे। रणदीप हुड्डा ने सोचा कि यह वो डायरेक्टर है जिसके साथ वह काम कर सकते हैं। करीब तीन साल बाद उनका यह सपना पूरा हुआ जब उन्हें साल 2005 में आई मूवी D में RGV के साथ काम करने का मौका मिला। लेकिन D में काम करने से पहले रणदीप हुड्डा को नाना पाटेकर की फिल्म 'अब तक छप्पन' में एक रोल ऑफर हुआ था।

रणदीप ने ठुकरा दिया था यह किरदार

रणदीप हुड्डा ने उन दिनों के बारे में याद करेत हुए एक यूट्यूब चैनल पर बताया, ₹मेरे थिएटर प्ले के बाद राम गोपाल वर्मा ने मुझे बुलाया। वह चाहते थे कि मैं 'अब तक छप्पन' में एक यंग ऑफिसर का रोल प्ले करूं। जब उन्होंने मुझसे इसके बारे में पूछा तो मैंने मना कर दिया। मैंने कहा- मैं यहां पर नाना पाटेकर का रोल करने के लिए आया हूं। मैं यह किरदार नहीं करूंगा।₹ रणदीप हुड्डा ने बताया कि राम गोपाल वर्मा ने उनसे कहा, ₹मुझे तुम्हारा एटिट्यूड अच्छा लगा। चलो अपनी बॉडी दिखाओ।

एटिट्यूड के चलते गर्लफ्रेंड से पड़ी डांट

रणदीप ने बताया कि वह 'एक' नाम की फिल्म करेंगे जिसमें उन्हें विलेन का किरदार प्ले करना होगा। लेकिन वो फिल्म कभी बनी ही नहीं। रणदीप हुड्डा ने बताया कि उन्हें तब उनकी गर्लफ्रेंड से डांट पड़ी थी कि उन्होंने राम गोपाल वर्मा के सामने एटिट्यूड दिखाकर एक बड़ा मौका गंवा दिया।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099